vkbi-vkbi-,- v/;{k Jh tqxy fd'kksj th dk jkT; e=h y?kq m|kx ,o fu;kr ikR lkgu mRrj in'k ljdkj d lEeku lekjkg e lck/ku ¼11@04@2012½

माननीय श्री भगवत शरण जी गंगवार राज्यमंत्री लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन, सौभाग्यवश आज हमारे साथ हमारे सभागार में उपस्थित हैं, मैं जुगल किशोर, प्रदेश अध्यक्ष इन्डियन इन्डस्ट्रीज एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के लगभग 40 जिलों में कार्यरत, प्रदेश के ऐसे एक मात्र लघु उद्यमी संगठन इस एसोसिएशन की ओर से आपका हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। हम आपके कृतज्ञ हैं कि आपने हमारे बीच पधारना स्वीकार कर हमारा मान बढ़ाया।

माननीय मंत्री महोदय, को मैं अवगत कराना चाहुॅंगा कि हमारी संस्था प्रदेश में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम व उद्योगों के उत्थान एवं विकास हेतु पिछले 26 वर्ष से संघर्षरत् हैं, तथा सदैव ही सरकार के साथ कन्धों से कन्धा मिलाकर कार्य करने के लिए प्रस्तुत रही है। परन्तु ताली एक हाथ से नहीं बजती । परिणाम तभी मिलते हैं जब सरकार एवं उद्यम दोनों ही एक दूसरे के साथ इमानदार रहें। और इस वर्ष ऐसे आसार बनते दिखाई दे रहे हैं। हमें लगता है कि यह प्रदेश का सौभाग्य है कि वर्तमान सरकार की कार्य शैली से जो संकेत अभी तक मिल रहे है, उससे प्रतीत होता है कि इस सरकार की सोच उद्योगों के विकास एवं विस्तार के लिए वास्तव में सकारात्मक है और हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप सरीखे कमर्ठ, जागरूक एवं सक्रिय लघु उद्योग मंत्री के कार्यकाल में अवश्य ही यह प्रदेश एवं नई औद्योगिक क्रांति की ओर अग्रसर होगा। और वह दिन दूर नहीं होगा कि अन्य प्रदेश हमारे प्रदेश को भी अन्य औद्योगिक रूप से अग्रणी जाने वाले प्रदेशों के समक्ष औद्योगिक स्पर्धा में खड़े पायेगें।

वर्तमान के उ0प्र0 में विकास की अपार सम्भावनाएं हैं। प्रदेश में लगभग 31 लाख सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम कार्यरत है जिनमें 7.59 लाख इकाइयां उत्पादन के क्षेत्र में है, तथा 23.53 लाख सेवा क्षेत्र में। जिसके माध्यम से लगभग 89 लाख परिवार (अर्थात लगभग 4 करोड़ जनसंख्या) को रोजगार मिल रहा है। आवश्यकता है केवल इस क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को समझने की और उनका निराकरण करने को। प्रदेश में औद्योगिक क्रान्ति लाने हेतु उपलब्ध मानव संसाधनों को यदि इन क्षेत्र के विकास के लिए ईमानदारी एवं लक्षित कार्य योजना बनाकर प्रयास किये जाये तो एक ओर जहां प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या हल होगी वही इस से प्रदेश के राजस्व में भी वृद्धि होगी।

हालाकि हाल ही में सरकार द्वारा की गई घोषणाओं एवं समाजवादी पार्टी के घोषणा पक्ष में सरकार ने उद्योगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता घोषित की है और कहा है कि :–

उद्योग और कृषि के लिए विद्युत की आपूर्ति में कोई कमी नहीं आने दी जायेगी।

उद्योग बन्धु (Single Window Clearance) के माध्यम से उद्यमियों को मिल रही सुविधाओं /अनुमतियों का सरलीकरण किया जायेगा। पारदर्शिता लाई जायेगी तथा समयबद्ध स्वीकृति सुनिश्चित की जायेगी। समस्त औद्योगिक एवं आवासीय भूखण्ड उचित मूल्य दे कर फ्री होल्ड किये जायेगें।

उद्योग बन्धु का विस्तार किया जायेगा और प्रदेश कमेटी में एक व्यापारी प्रतिनिधि को भी रखा जायेगा।

सभी प्रकार के लाइसेंस 10 वर्ष का एक मुख्य धन लेकर आजीवन किये जायेगें।

जिन वस्तुओं पर व्यापार कर की दरें दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं बिहार आदि से ज्यादा है उन दरों को पड़ौसी प्रान्तों के समकक्ष किया जायेगा।

फार्म 38 एवं फार्म 26 समाप्त किया जायेगा।

हमें विश्वास है कि वर्तमान सरकार अवश्य ही इस घोषणाओं को साकार करेगी। यदि केवल इतना भर ही इमानदारी से हो जाये, तो आने वाले समय मे प्रदेश की रंगत ही बदल जायेगी और इसमें मुख्य भूमिका रहेगी हमारे माननीय लघु उद्योग मंत्री की।

इसके अतिरिक्त कुछ अन्य बिन्दु भी हम माननीय मंत्री के सम्मुख रखना चाहेगेंः–

लघु उद्योगों से सरकारी विभागों द्वारा माल खरीदने की नीति का अनुपालन एवं उद्योग निदेषालय के रेट कॉट्रेक्ट प्रणाली की बहाली।

सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों पर इन्सपैक्टर राज समाप्त करना जिसक माननीय मुलायम सिंह जी के मुख्यमंत्री काल में आदेष जारी हुए थे परन्तु विगत कुछ वर्षों में इन आदेषों का अनुपालन नहीं हो रहा है।

भूमि एवं प्लाट की अनुप्लब्धता

लघु उद्योगों के लिए अलग उद्योग नीति।

वर्ष में एक बार लघु उद्यमी महासम्मेलन का आयोजन किया जाना चाहिए जिसकी अध्यक्षता आप द्वारा की जाऐ एवं मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री हों।

नये एवं पुरानी उत्पादन इकाईयों के लिए प्रोत्साहन अनिवार्य है क्यो कि यह क्षेत्र दिन ब दिन सिकुडता ही जा रहा है जोकि निकट भविष्य में रोजगार उपलब्ध मे भारी कमी का कारण बन जायेगा।

धन्यवाद!